www.sanjanabharati.com | दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित | facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 पशुओं से मिली आजीविका की नई राह | 3 बूथ स्तरीय प्रतिनिधि बीएलए टू का प्रशिक्षण सम्पन्न | 4 बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा की बदौलत...

वर्षः 9 | अंकः 288 | दिल्ली, सोमवार, 11 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

मोदी ने 2014 के बाद कर्नाटक के लिए रेल बजट नौ गुणा बढ़ा दियाः अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि कर्नाटक का रेल बजट 2014 से पहले के 835 करोड़ रुपये से बढ़कर नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 7,500 करोड़ रुपये हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बेंगलुरु मेट्रो की येलो लाइन को हरी झंडी दिखाये जाने के बाद वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा, कर्नाटक जैसे महत्वपूर्ण राज्य को 2014 से पहले केवल 835 करोड़ रुपये मिल रहे थे। मोदी की बदौलत अब उसे 7,500 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। साथ ही, कर्नाटक में 54,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। हम अमृत भारत योजना के तहत राज्य में 61 स्टेशनों का पुनर्विकास कर रहे हैं।

कांग्रेस को घुसपैठियों से लगाव है तो उन्हें राहुल गांधी के घर क्यों नहीं भेज देतीः हिमंत

असम (एजेन्सी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कांग्रेस पर घुसपैठियों को नयी पहचान देने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि अगर पार्टी को घुसपैठियों से इतना ही लगाव है, तो उन्हें राहुल गांधी के घर क्यों नहीं भेज देती। शर्मा ने दावा किया कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई ने हाल ही में घुसपैठियों को ना असमिया (नया असमिया) कहा था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शर्मा ने कहा, अगर उन्होंने ऐसा कहा है, तो उन्हें अपने घर में उन्हें जगह देनी चाहिए, क्योंकि हमारे घर में उनके लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा कि मूल असमियों के लिए पर्याप्त संसाधन या जगह नहीं है, तो नए असमियों को कैसे समायोजित किया जा सकता है।

भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, जल्द तीसरे नंबर पर पहुंचेंगेः पीएम मोदी

(एजेन्सी)।

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15,610 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली बेंगलुरु मेट्रो फेज-3 परियोजना की आधारशिला रखी। इस परियोजना की कुल लंबाई 44 किलोमीटर से अधिक होगी और इसमें 31 एलिवेटेड स्टेशन होंगे।

कर्नाटक की धरती पर कदम रखते ही अपनापन सा महसूस होता है। यहां की संस्कृति, यहां के लोगों का प्यार और कन्नड़ भाषा की मिठास दिल को छू जाती है। बेंगलुरु को हम एक ऐसे शहर के रूप में उभरता देख रहे हैं जो न्यू इंडिया के राइज का सिंबल बन चुका है। एक ऐसा शहर... जिसकी आत्मा में तत्व ज्ञान है और जिसके एक्शन में टेक ज्ञान है। एक ऐसा शहर... जिसने ग्लोबल आईटी मैप पर भारत का परचम लहराया है। हम बेंगलुरु को नए भारत

के उदय का एक सच्चा प्रतीक बनते हुए देख रहे हैं। एक ऐसा शहर जिसने भारत को वैश्विक आईटी मानचित्र पर गर्व से स्थापित किया है।

बेंगलुरु की उल्लेखनीय सफलता की कहानी के पीछे प्रेरक शक्ति इसके लोगों की असाधारण प्रतिभा और सरलता है। बीते समय में बेंगलुरु के लिए भारत सरकार की ओर हजारों करोड़ रुपए की योजनाएं शुरू की गई हैं। इस अभियान को नई गति मिल रही है। आज बेंगलुरु मेट्रो येलो लाइन का शुभारंभ हुआ है। मेट्रो फेज-3 आधारशिला भी रखी गई है। साथ ही देश के अलग अलग हिस्सों के लिए तीन नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई गई है।

बेंगलुरु से बेलगावी के बीच वंदे भारत की सेवा शुरू हुई है। इससे बेलगावी के व्यापार और टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा नागपुर से पुणे और श्री माता वैष्णो देवी कटरा से अमृतसर के बीच भी वंदे भारत एक्सप्रेस

शुरू हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार बेंगलुरु आया हूं। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओं की सफलता... सीमापार कई किलोमीटर भीतर आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने की ताकत... और आतंकवादियों के बचाव में उतरे पाकिस्तान को कुछ ही घंटों में घुटनों पर लाने की हमारी क्षमता... पूरी दुनिया ने नए भारत के इस स्वरूप के दर्शन किए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की इस सफलता के पीछे बहुत बड़ी वजह हमारी टेक्नोलॉजी और डिफेंस में मेक इन इंडिया की ताकत है। इसमें बेंगलुरु और कर्नाटक के युवाओं का भी बहुत बड़ा योगदान है। बेंगलुरु को हम एक ऐसे शहर के रूप में उभरता देख रहे हैं जो न्यू इंडिया के राइज का सिंबल बन चुका है। एक ऐसा शहर... जिसकी आत्मा में तत्व ज्ञान है और जिसके एक्शन में टेक ज्ञान है। एक ऐसा शहर... जिसने ग्लोबल कळ मैप पर भारत का परचम लहराया है।

76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव में सीएम ने दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। आधुनिक विकास की रफ्तार के बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जीवन का आधार वनों और पेड़ों से ही है।

जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा और बढ़ते तापमान जैसी समस्याओं का समाधान बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और उनके संरक्षण से ही संभव है, जो भविष्य की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। हरियाणा सरकार ने इस दिशा में कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं और विभिन्न पहलों व अभियानों के तहत प्रदेश में 2 करोड़

10 लाख पौधे लगाए जाएंगे, जिसे सामूहिक प्रयासों से पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री जिला कुरुक्षेत्र के स्योंसर में आयोजित 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने सरस्वती आर्द्रभूमि जलाशय, सरस्वती पादप एवं जैव विविधता संरक्षण वाटिका और सरस्वती जंगल सफारी का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने वन विभाग द्वारा तैयार हरियाणा वाइल्ड लाइफ मैप व कुरुक्षेत्र वाइल्ड लाइफ मैप तथा 5 पुस्तकों -सरस्वती आर्द्रभूमि जलाशय, सरस्वती प्राकृतिक पर्यटन विहार, सरस्वती पादप एवं जैव विविधता संरक्षण वाटिका, त्रिफला पुस्तिका और नीम गिलोय पुस्तिका का विमोचन किया।

इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री श्री सुभाष सुधा, हरियाणा सरस्वती धरोहर बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री धूमन सिंह किरमिच, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

रविन्द्र इंद्राज ने आशा किरण शेल्टर होम में मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने आशा किरण शेल्टर होम, रोहिणी में मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों और स्टाफ के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और राखी बंधवाई।

श्री इंद्राज ने कहा कि बच्चों के चेहरे पर मुस्कान सरकार के लिए आशीर्वाद और सामाजिक प्रगति का संदेश है। समाज

दिव्यांगों की मुस्कान सरकार के लिए आशीर्वाद और सामाजिक प्रगति का संदेशः मंत्री

कल्याण मंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन स्नेह और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास, देखभाल और पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है तथा उनकी जीवन गुणवत्ता सुधारने हेतु निरंतर प्रयासरत है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं कि आशा किरण शेल्टर होम में रहने वाले सभी बच्चों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और मनोरंजन की सुविधाएं दी जाएं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे दिव्यांग बच्चों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग का भाव रखें।

विकसित भारत के सपने को मिलकर करेंगे साकारः सांसद नवीन जिंदल

‘पूरे प्रदेश में करवाए जा रहे एक समान विकास कार्य’

गांव पीड़ल, चीका, हरिगढ़ किंगन व गांव भागल में सांसद नवीन जिंदल ने दी लाखों रुपए के विकास कार्य की सौगात

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

गुहला-चीका/कैथल। कुरुक्षेत्र के लोकप्रिय सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी देश व प्रदेश में सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास की नीति पर चलकर एक समान विकास कार्य करवा रहे हैं। भारत देश अब नई ऊंचाईयों को छू रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था चौथे स्थान पर है और आने वाले समय में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी। विकसित भारत का जो सपना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया है, उसे हम सब मिलकर पूरा करेंगे। इसकी शुरूआत हम अपने कैथल और कुरुक्षेत्र से करेंगे। पूरे लोकसभा क्षेत्र में विकास के मामले में कोई कमी नहीं रहने देंगे।

सांसद नवीन जिंदल रविवार को गांव पीड़ल, चीका स्थित भवानी मंदिर, हरिगढ़ किंगन व गांव भागल में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सभी स्थानों पर ग्रामीणों ने स्मृति चिन्ह व फूल मालाएं भेंट कर सांसद नवीन जिंदल का स्वागत किया गया। इस मौके पर उन्होंने इन गांवों में लाखों रुपये के विकास कार्य करवाने की घोषणा की।

सांसद नवीन जिंदल ने स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि आप लोगों के सहयोग से देश मजबूत बन रहा है। पिछले दिनों पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा महिलाओं के सिंदूर को उजाड़ा था। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई को लेकर हम सभी को एक साथ मिलकर कार्य करना होगा। हमें अपनी आदतों में बदलाव करना होगा और अपने घर, गांव, शहर को साफ-सुथरा बनाकर रखेंगे, ताकि हमारा गांव व देश चमक उठे। हमें लोगों को जागरूकता के साथ-साथ स्वयं सफाई की जिम्मेदारी लेनी है। इसमें कोई भी लापरवाही नहीं बरतेंगे। उन्होंने कहा कि युवा हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य है। हमें इन युवाओं को नशे से दूर रखना है तथा खेल को अपनाना है। यदि हम खेल में भाग लेंगे तो हमारा स्वास्थ्य तो सही होगा, वहीं हम अपने क्षेत्र का नाम पूरे देश में रोशन कर सकते हैं। यहां के लोगों की काफी समस्याएं आई है, जिनमें नशा प्रमुख रहा है। इसलिए हमें नशे जैसी बुराई के खिलाफ एक जन आंदोलन चलाना होगा और इस नशे जैसी बुराई को इस क्षेत्र से मिटाना होगा। यदि कोई नशे से संबंधित कोई सामान बेच रहा है तो इसकी सूचना हम तक पहुंचाएं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने सभी को पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपित करने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का हमारे जीवन में बहुत महत्व है, इसलिए बेटियों को भी शिक्षित करें और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करें।

गांव पीड़ल में विभिन्न कार्यों के लिए दिए 7 लाख रुपयेः सांसद नवीन जिंदल ने गांव पीड़ल में भगवान परशुराम राम ब्राह्मण चौपाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ब्राह्मण चौपाल के निर्माण कार्य पर 4 लाख रुपये, गलियों की फिजिबलिटी चैक करके उनका निर्माण कार्य करवाने, श्मशान घाट का रास्ते का निर्माण, जिम का सामान व पहलवानों के लिए खेल का सामान देने की घोषणा की। कब्रिस्तान की चार दिवारी के लिए 3 लाख रुपये की ग्रांट देने की घोषणा भी की। इससे पहले भी साढ़े 7 लाख रुपये वाल्मीकि चौपाल के लिए भिजवाए गए हैं।

हरिगढ़ किंगन गांव में चौपालों के लिए दी ग्रांटः इसके बाद सांसद नवीन जिंदल गांव हरिगढ़ किंगन में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित किया। उन्होंने सामान्य चौपाल के लिए 3 लाख रुपये, वाल्मीकि चौपाल व डॉ. भीम राव अंबेडकर भवन निर्माण कार्य के लिए 2-2 लाख रुपये देने की घोषणा की।

इस मौके पर पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर, पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल तंवर, डॉ. ओमता राम, रोहन मित्तल, शैली मुंजाल, राजेश शर्मा (पिंटू), भवानी मंदिर संस्था के प्रधान राजीव शर्मा, सलिंद्र, सुरेंद्र वाल्मीकि, जगतार सिंह माजरी, मास्टर मदन, गुरमेज सिंह, शिव कुमार, शिव नारायण, चांदी राम, योगेश, नर्सी शर्मा, रामस्वरूप, कृष्ण नंबरदार, डॉ. जगविंद्र विर्क, नसीब, महेंद्र सिंह चीमा, लीला राम, सुरता राम, मिंकु सिंगला, अश्वनी भार्गव, कुलदीप माजरा, बलबीर सैनी, जयभगवान, कर्मचंद गर्ग, महेंद्र सिंह, लाल बहादुर शास्त्री, नायब सिंह, संदीप सिंह, अनिल कुमार, सुरेश, भागल सरपंच सुदेश कुमार, बलवान सिंह, रामचंद्र, राव विरेंद्र सिंह, अशोक, पाला राम, संदीप पुनिया, रामफल आदि मौजूद रहे।

चीका के विभिन्न वार्डों में विकास कार्य के लिए 44 लाख रुपये देने की घोषणा

सांसद नवीन जिंदल चीका स्थित भवानी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने सबसे पहले मां भवानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने मंदिर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में जिम का सामान के लिए 5 लाख रुपये, शैड के निर्माण के लिए 11 लाख रुपये की ग्रांट तथा सीट लगवाने के लिए 7 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। इसके अलावा विभिन्न वार्डों में विकास कार्य के लिए 44 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

गंभीर बीमारियों के इलाज में मदद करेगी राज्य सरकारः योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सरकार गंभीर बीमारियों के इलाज कराने में उनकी पूरी मदद करेगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाने पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं, सरकार उनकी भरपूर आर्थिक मदद करेगी, उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी। योगी ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उसकी अनुमानित लागत तैयार करने की प्रक्रिया पूरी कराकर शासन को उपलब्ध कराएं।

उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में एक-एक कर लोगों की समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है, हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए और पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। एक महिला की गुहार पर उन्होंने अफसरों को उक्त महिला को जमीन का पट्टा देने का निर्देश दिया।

पंजाब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास देख रहा हैः सीएम

संजना भारती संवाददाता

सतौज (संगरूर)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यहां कहा कि पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं और पंजाब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास का साक्षी बन रहा है।

यहां दिड़बा विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन परियोजनाओं पर काम पूरे जोर-शोर से चल रहा है, जो जल्द ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए और राज्य के विकास की गति को बढ़ावा देने के लिए इन परियोजनाओं को अमल में लाया जा रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसे विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है और आने वाले दिनों में ऐसी और परियोजनाएं जनता को समर्पित की जाएंगी।

कृषि क्षेत्र के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने ट्यूबवेलों के उपयोग के बिना धान की बुआई सुनिश्चित करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि अब नहरी पानी राज्य के दूर-दराज के गांवों तक भी पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि पदभार संभालने के बाद उनकी सरकार ने पूरे पंजाब में 15,947 जलमार्गों को पुनर्जनन किया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसके साथ ही उनकी सरकार ने पंजाब के जल संसाधनों को अन्य राज्यों की ओर मोड़ने की कोशिशों को पूरी तरह नाकाम कर दिया है और इन जल संसाधनों पर राज्य के अधिकार को पूरी तरह बरकरार रखा है।

भगवंत सिंह मान ने मुख्यमंत्री सेहत योजना के बारे में बात करते हुए कहा कि यह योजना देश भर में अपनी तरह की पहली योजना है, जो पंजाब के प्रत्येक निवासी परिवार के लिए 10 लाख रुपए तक का नकद-रहित चिकित्सा उपचार प्रदान करती है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि पंजाब देश का पहला राज्य है, जो इतना व्यापक स्वास्थ्य देखभाल कवरेज प्रदान करता है, जो गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करते हुए जनता पर वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम करेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम का उद्देश्य राज्य के सभी परिवारों को सर्वव्यापी स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती और किसान हमेशा उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता रहे हैं और कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के अनुसार, उन्हें बिजली या नहरी पानी की कोई कमी नहीं है, जो हमारे लिए बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि किसानों के चेहरों पर मुस्कान वापस आते देख उन्हें बहुत खुशी होती है।

लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी ग्रामीण उनके दिल के बहुत करीब हैं, जिसके कारण वे उनके साथ हर पल का आनंद लेना पसंद करते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसे अवसरों पर ग्रामीणों के साथ जुड़कर उन्हें बहुत गर्व और संतुष्टि मिलती है और वे ग्रामीणों की भलाई के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने गांव के विकास को और बढ़ावा देने के लिए गांव की पंचायत को 1.76 करोड़ रुपए का चेक भी सौंपा।

सम्पादकीय

दो जुझारू नेताओं का निधन

भारतीय राजनीति से दो दिनों में दो कद्दावर नेताओं का निधन बड़ी शून्यता कायम कर गया है। 4 अगस्त को शिबू सोरेन का निधन हुआ और 5 अगस्त को सत्यपाल मलिक का। श्री सोरेन और श्री मलिक दोनों की राजनीति के तौर-तरीके अलग थे, दल अलग थे, विचारधारा अलग थी। लेकिन मिजाज दोनों का एक ही तरह का था, जुझारू, अक्खड़पना, जमीन से जुड़ाव और गांधी की भाषा में कहें तो अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की फिक्र दोनों नेताओं की राजनीति के केंद्र में रही। शिबू सोरेन आदिवासियों के बड़े नेता थे, उन्हें झारखंड के लोग केवल दिशोम गुरु (समाज का गुरु) ही नहीं कहते हैं, बल्कि भगवान की तरह मानते हैं। सत्यपाल मलिक का जनाधार बेशक शिबू सोरेन की तरह नहीं रहा, लेकिन उन्होंने भी गरीब, वंचित पीड़ित लोगों के हितों को तरजीह दी। शिबू सोरेन और सत्यपाल मलिक में सबसे बड़ी समानता यह रही कि सत्ता के साथ रहते हुए जी हुजूरी नहीं की और सत्ता के खिलाफ रहे तो खौफ नहीं खाया। साल 1944 में अविभाजित बिहार के हजारीबाग में जन्मे शिबू सोरेन के संघर्ष की शुरुआत अल्पायु में ही हो गई थी। उनके पिता सोबरन सोरेन की हत्या कर दी गई, क्योंकि उन्होंने आदिवासी इलाकों में फैले महाजनों के आतंक के खिलाफ आवाज उठाई थी। पिता के संघर्ष को आगे बढ़ाते हुए शिबू सोरेन ने भी महाजनी प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई और धान कटनी आंदोलन चलाया। उन्होंने आदिवासियों को जागरूक किया कि धान लगाने वाला ही धान काटेगा और इस पर महाजनों का कोई अधिकार नहीं है। 70 से 80 के दशक में ये आंदोलन बहुत बड़ा हो गया, इसने झारखंड के किसानों, कामगारों और काश्तकारों को एकजुट किया, आदिवासियों को शोषण के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत दिलाई। इसी वजह से शिबू सोरेन को झारखंड के लोगों ने दिशोम गुरु की उपाधि दी। कई सालों तक शिबू सोरेन ने आदिवासियों के लिए रात्रि पाठशाला चलाई ताकि दिन भर अपना-अपना काम निपटाने के बाद आदिवासी पढ़ पाएं। शिक्षा के अलावा शराब और नशे से आदिवासियों को दूर करने की कोशिश भी शिबू सोरेन ने की। 1980 में पहली बार सांसद बनने के बाद जब उन्होंने संसद में भाषण दिया तो शराब के विरोध में बोले। शिबू सोरेन ने सामाजिक सुधार के साथ 1973 में राजनीति में कदम रखा, विनोद महतो और कामरेड एके राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की। अविभाजित बिहार में प्राकृतिक संसाधनों का खजाना लिए दक्षिण के 26 जिलों को मिलाकर एक झारखंड राज्य बने, ऐसी कल्पना उन्होंने की। लंबे संघर्ष और राजनैतिक उठापटक के बाद आखिरकार 2000 में झारखंड राज्य बना, साथ में छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड भी बने। हालांकि झारखंड निर्माण के बाद कई बार राजनैतिक अस्थिरता बनी। इस दौरान शिबू सोरेन कभी लोकसभा, कभी राज्यसभा, कभी विधानसभा के सदस्य बनते रहे। विभिन्न दलों के साथ उनके वैचारिक, सैद्धांतिक टकराव हुए। दिल्ली की सत्ता पर बैठे लोगों के साथ उन्होंने समझौते भी किए, लेकिन इन सबके बीच आदिवासियों के हितों के उद्देश्य से गुरुजी एक बार भी नहीं भटके। आठ बार लोकसभा सांसद, दो बार राज्यसभा सांसद, दो बार विधायक बनने वाले शिबू सोरेन ने केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री जैसे पद संभाले, हालांकि कई तरह के मामले-मुकदमों और राजनैतिक उठापटक में वे अपना कार्यकाल कभी पूरा नहीं कर पाए। आज जब सत्ता पर किसी भी तरह बैठना ही कई नेताओं का अंतिम लक्ष्य बन गया है, तब शिबू सोरेन जैसे नेताओं के जीवन को याद करना चाहिए, जिन्होंने सत्ता से पहले नागरिकों का ख्याल रखा। सत्यपाल मलिक का भी राजनीतिक जीवन पांच दशक लंबा रहा। 1968-1969 में छात्र राजनीति से शुरुआत करते हुए श्री मलिक किसान नेता चौधरी चरण सिंह के करीब आए और 1974 में चुनावी राजनीति में उतरे। बागपत से विधानसभा का चुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने। इसके बाद वे चौधरी चरण सिंह के साथ ही लोक दल में शामिल हो गए, उन्हें पार्टी का महासचिव बनाया गया। सत्यपाल मलिक 1980 में लोक दल की ओर से ही राज्यसभा पहुंचे। 1984 में वे कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 1986 में एक बार फिर राज्यसभा पहुंचाया। बोफोर्स मामला उठने के बाद श्री मलिक वी पी सिंह के नेतृत्व वाले जनता दल में शामिल हुए, 1989 में सांसद बने और केन्द्रीय राज्य मंत्री भी। इसके बाद 2004 में सत्यपाल मलिक भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

जयंती

लालमणि मिश्र

जन्म-11 अगस्त, 1924, कानपुर; मृत्यु-17 जुलाई, 1979) भारतीय संगीत जगत के ऐसे मनीषी थे, जो अपनी कला के समान ही अपनी विद्वता के लिए भी जाने जाते थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ. लालमणि मिश्र ने पटियाला के उस्ताद अब्दुल अजीज खाँ को सुनकर गुप्त रूप से विचित्र वीणा हेतु वादन तकनीक विकसित करने के साथ-साथ भारतीय संगीत वाद्यों के इतिहास तथा विकास क्रम पर अनुसन्धान किया। वैदिक संगीत पर शोध करते हुए उन्होंने सामिक स्वर व्यवस्था का रहस्य सुलझाया। सामवेद के इन प्राप्त स्वरों को संरक्षित करने के लिए उन्होंने 'राग सामेश्वरी' का निर्माण किया। भरत मुनि द्वारा विधान की गयी बाईस श्रुतिओं को मानव इतिहास में पहली बार डॉ. मिश्र द्वारा निर्मित वाद्य यंत्र श्रुति-वीणा पर एक साथ सुनना सम्भव हुआ।

पुण्यतिथि

खुदीराम बोस

जन्म: 3 दिसंबर, 1889; शहादत: 11 अगस्त, 1908) मात्र 19 साल की उम्र में हिन्दुस्तान की आजादी के लिये फाँसी पर चढ़ने वाले क्रांतिकारी थे। भारतीय स्वाधीनता संग्राम का इतिहास क्रांतिकारियों के सैकड़ों साहसिक कारनामों से भरा पड़ा है। ऐसे ही क्रांतिकारियों की सूची में एक नाम खुदीराम बोस का है। खुदीराम बोस जब बहुत छोटे थे, तभी उनके माता-पिता का निधन हो गया था। उनकी बड़ी बहन ने उनका लालन-पालन किया था। सन 1905 में बंगाल का विभाजन होने के बाद खुदीराम बोस देश के मुक्ति आंदोलन में कूद पड़े थे। सत्येन बोस के नेतृत्व में खुदीराम बोस ने अपना क्रांतिकारी जीवन शुरू किया था। खुदीराम बोस राजनीतिक गतिविधियों में स्कूल के दिनों से ही भाग लेने लगे थे। उन दिनों अंग्रेजों से छोटे-छोटे हिन्दुस्तानी स्कूली बच्चे भी नफरत किया करते थे। वे जलसे जलूसों में शामिल होते थे तथा अंग्रेजी साम्राज्यवाद के खिलाफ नारे लगाते थे। बोस को गुलामी की बेड़ियों से जकड़ी भारत माता को आजाद कराने की ऐसी लगन लगी कि उन्होंने नौवीं कक्षा के बाद ही पढ़ाई छोड़ दी और सिर पर कफन बांधकर जंग-ए-आजादी में कूद पड़े।

कल मिलेंगे

एक बार राजू अपनी बीबी को हॉरर मूवी दिखाने ले गया
(अचानक स्क्रीन पर भूत आता है)
बीबी-हे मां...
राजू-तूने भी पहचान लिया क्या...
(राजू स्क्रीन को हाथ जोड़ते हुए) सास जी प्रणाम...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

पशुओं से मिली आजीविका की नई राह

गांवों में बकरी पालन भी आजीविका का स्रोत है। लेकिन कई बार बकरियों में अचानक से बीमारी आ जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में वे मर जाती हैं। अब उनकी त्वरित चिकित्सा होने के कारण बकरियों से आमदनी हो जाती है। बकरी पालन,ऐसा काम है, जिसे बुजुर्ग व अकेली महिलाएं भी आसानी कर लेती हैं, इससे उन्हें जीविकोपार्जन में बड़ी मदद मिलती है

-बाबा मायाराम

हाल ही मेरा बिलासपुर जाना हुआ, जो जन सहयोग सहयोग संस्था का कार्यक्षेत्र है। वैसे तो यह संस्था स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय है। लेकिन इस संस्था ने बीमारी के इलाज के साथ उसकी रोकथाम पर भी खासा जोर दिया है। बिलासपुर के पास गनियारी कस्बे में अस्पताल है, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम है, जो करीब 70 गांवों में चल रहा है। इसका जैविक खेती का कार्यक्रम भी हिस्सा है। आज इस कॉलम में इसी अनोखी पहल पर चर्चा करना चाहूंगा, जिससे यह समझ आ सके कि गांव में किस तरह टिकाऊ आजीविका के साथ स्वास्थ्य को बेहतर किया जा सकता है।

यह आदिवासी बहुल इलाका है। यहां के बाशिन्दे गोंड और बैगा आदिवासी हैं। इसके अलावा, पिछड़ा वर्ग समुदाय के लोग हैं। यह अत्यंत निर्धन इलाकों में से एक है, जहां से बड़ी संख्या में पलायन भी होता रहा है। यहां के मजदूरों की पहचान बिलासपुरिहा मजदूर के नाम से होती है। बिलासपुर से अमृतसर एक ट्रेन चलती है, जिसे छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस भी कहा जाता है, इससे यहां के मजदूर दिल्ली व पंजाब जैसे स्थानों पर जाते रहे हैं। जन स्वास्थ्य सहयोग के डॉ. गजानन बताते हैं कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छा पोषण चाहिए। पोषण की सोच से ही जैविक खेती और पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य पशुधन में बढ़ोतरी करना है। पशुओं में होने वाली बीमारियों की लोगों को समझ हो, और उनके गांव में उनका इलाज हो सके। इसके साथ ही, खेती में सुधार, रोजगारों में बढ़ोतरी होनी चाहिए। लोगों की आमदनी बढ़नी चाहिए। आजीविका सुनिश्चित होनी चाहिए, यह भी सोच बनी। इस लिहाज से पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम से लोगों की आजीविका सुदृढ़ होती है। विशेषकर,छोटे किसानों की, पशुपालकों और महिलाओं की आजीविका को बेहतर करना जरूरी है, जो पीछे छूटते जा रहे हैं। पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम से जुड़े महेश शर्मा बताते हैं कि यह कार्यक्रम करीब 50 गांवों में चल रहा है। इस कार्यक्रम के लिए 7 पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं, जिनका चयन गांव के समुदायों द्वारा किया गया है। कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया है। शुरूआत में पशु स्वास्थ्य के प्रशिक्षण में पुणे की अंतरा संस्था और इसी नाम की एक अन्य हैदराबाद की संस्था ने सहयोग दिया था। संस्था के प्रशिक्षणकर्ता एक साल तक जन स्वास्थ्य सहयोग में आए और स्थानीय कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया था। इसके बाद हमने भी वहां जाकर प्रशिक्षण लिया।

वे आगे बताते हैं कि पूर्व में हमने स्थानीय जड़ी-बूटियों की परंपरागत चिकित्सा पद्धति से मवेशियों का इलाज किया। उस समय महिला पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाद में इस कार्यक्रम से युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया, जो वर्तमान में कार्यरत हैं। इस कार्यक्रम के तहत पशुओं की छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज किया जाता है। जैसे दस्त, पेट फूलना, गलघोंटू, खुरहा, चोट लगना, घाव, बुखार, एकटंगिया इत्यादि। टीकाकरण का काम स्वास्थ्य कार्यकर्ता करते हैं। शासकीय पशु स्वास्थ्य केन्द्रों से टीका उपलब्ध हो जाते हैं, जिन्हें पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता लगाते हैं। यानी इस कार्यक्रम में सरकार का भी सहयोग है।

पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के सहयोग के लिए पशु चिकित्सक डॉ. पीयूष दुबे हैं, जो गंभीर व जटिल बीमारियों में मार्गदर्शन करते हैं। और स्वयं भी ऑपरेशन व हड्डी जोड़ने, कृत्रिम गभार्धान इत्यादि करते हैं। इस कार्यक्रम के तहत गाय, भैंस, बैल, बकरी, सुअर, कुत्ते, मुर्गा सभी का इलाज किया जाता है। पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता भगत मरकाम और नौहर मरावी ने बताया उन्हें इस काम ने नया आत्मविश्वास दिया है। वह दवाओं का बैग लेकर मवेशियों के इलाज के लिए जाते हैं। उनकी मान्यता तब और बढ़ गई जब टीकाकरण के साथ-साथ कृमि मुक्ति के लिए दवाओं का असर देखा गया। संस्था जैविक खेती व किचिन गार्डन में भी सहयोग करती है। जैविक खेती से पशुओं के लिए चारा भी हो जाता है। इस पहल से ग्रामीणों को जल्द ही पता चल गया कि गांव के समुदाय से ही पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता काम करते हैं, जिनसे जब भी जरूरत हो, बहुत कम खर्च मवेशियों का इलाज करवाया जा सकता है। वे गांव में ही सहज उपलब्ध हैं, और उन्हें जरूरत पड़ने पर तत्काल बुलाया जा सकता है। इस कार्यक्रम के तहत कुछ मौसमी बीमारियों के लिए पहले से भी तैयारी की जाती है। दवाओं और टीका का भंडारण पूर्व से ही कर लिया जाता है। उन्होंने बताया कि जब प्रशिक्षण के बाद अपना काम शुरू किया तो कुछ ग्रामीणों ने उनके कौशल पर संदेह जताया। लेकिन धीरे-धीरे इस स्थिति में बदलाव आया। इसके बाद उन्हें गांव वालों की स्वीकृति और सम्मान मिला और तब से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पशुओं का महत्व पोषण, आजीविका की दृष्टि से है, साथ ही जन स्वास्थ्य सहयोग ने लघु गोबर गैस प्लांट को भी प्रोत्साहित किया है। शुरूआत में संस्था के कार्यकर्ता होमप्रकाश साहू और बम्हनी के ग्रामीण ने इस प्लांट को लगाया है। यह दोनों प्लांट बहुत अच्छे से संचालित हैं। इस प्लांट में मवेशियों के गोबर से उपयोग से रसोई गैस चलती है। इससे जो जैव खाद बनती है, उसे वे किचिन गार्डन व खेतों में उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। इस प्लांट की लागत भी 7-8 हजार रूपए हैं और इसे सरलता से बनाया जा सकता है।

गांवों में बकरी पालन भी आजीविका का स्रोत है। लेकिन कई बार बकरियों में अचानक से बीमारी आ जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में वे मर जाती हैं। अब उनकी त्वरित चिकित्सा होने के कारण बकरियों से आमदनी हो जाती है। बकरी पालन,ऐसा काम है, जिसे बुजुर्ग व अकेली महिलाएं भी आसानी कर लेती हैं, इससे उन्हें जीविकोपार्जन में बड़ी मदद मिलती है। यह दर्शाता है कि इससे इन परिवारों की आजीविका पर इसका बहुत महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। कुल मिलाकर, इस कार्यक्रम की सफलता को दो स्तरों पर देखा जा सकता है। सबसे पहले, चूंकि मवेशियों की पशु चिकित्सा उपेक्षित थी, गांव में पशुओं का इलाज नहीं होता था। इसलिए इस मॉडल ने पशु आधारित आजीविका की संभावनाओं को बढ़ाने में मदद की है और वह भी स्वस्थ व टिकाऊ तरीके से। पोषण की दृष्टि से भी यह उपयोगी है। दूध और मांस भी सहजता से उपलब्ध हो जाता है। आमदनी भी बढ़ी है। दूसरा, महिला और युवाओं के कौशल के प्रति सम्मान और आदर भी बढ़ा है। पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सीखना और कौशल विकास उम्मीद से कहीं अधिक रहा है, क्योंकि वे बहुत सी ऐसी चीजें जल्दी सीख रहे हैं, जिनके बारे में पहले सोचा जाता था कि यह अधिक कठिन या समय लेने वाला होगा। इस कार्यक्रम का एक और आयाम है आधुनिक चिकित्सा पद्धति को पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं के साथ मिलाना। संस्था ने समुदाय के साथ मिलकर इस दिशा में अच्छा काम किया है, जिससे स्थायी, टिकाऊ आजीविका का सुरक्षा हो सके। दूसरी तरफ खेत में डंठल व पुआल आदि सड़कर जैव खाद बनाते थे और पशुओं के गोबर से भारत समेत दुनिया में आज भी खेती और पशुपालन ही सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले क्षेत्र हैं। पशुधन ग्रामीण आजीविका का बड़ा स्रोत है। इससे आवश्यक भोजन, रेशे, ऊर्जा, और दवा सभी प्राप्त होती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था केवल खेती-किसानी से ही नहीं, पशुपालन और छोटे-छोटे लघु-कुटीर उद्योग व लघु व्यवसायों से संचालित होती रही है। मवेशी एक तरह से लोगों के फिक्स्ड डिपॉजिट हुआ करते थे, जिन्हें बहुत जरूरत पड़ने पर वे बेच देते थे। यह क्षेत्र जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही संकट में है। खेती में बदलाव का भी इस पर असर पड़ा है।

खेतों में ट्रेक्टर व हारवेस्टर आने से बैलों का खेतों से रिश्ता टूट रहा है। रासायनिक खेती अब पारंपरिक खेती का स्थान ले रही है। लेकिन हम पशुधन के संरक्षण और संवर्धन को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करें तो अधिक टिकाऊ, प्राकृतिक खेती और पर्यावरण की दृष्टि से उपयुक्त और सामाजिक रूप से अधिक संवेदनशील बनने में मदद मिलेगी। और जलवायु बदलाव, खाद्य सुरक्षा, टिकाऊ आजीविका की समस्याओं का भी कुछ हद तक समाधान कर पाएंगे। इसके साथ ही, खेती और पशुपालन का रिश्ता आज जो टूट रहा है। अगर इसको बरकरार रखा जाए तो न केवल हमें भूमि को उर्वर बनाने के लिए गोबर खाद मिलेगी। बल्कि बड़ी आबादी को रोजगार भी मिलेगा। पशु शक्ति के बारे में कई विशेषज्ञ व वैज्ञानिक भी यह मानने लगे हैं कि यह सबसे सस्ता व व्यावहारिक स्रोत है। इसलिए यह पहल सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय है।

दुनिया का दादा क्यों फोड़ रहा है टैरिफ के सुतली बम?

पत्रकार का सवाल वाजिब है। आखिर कूटनीति इसे ही तो कहा जाता है और यहां इस बार हम चूके हैं। युद्ध का रुकना कब गलत हुआ है। वे लिखते हैं-'शुरूआत में भारत नरेन्द्र मोदी की नई सरकार के साथ लगातार अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा था, जो अपने चरम पर उस वक्त दिखा, जब भारत मंडपम में मोदी से हाथ मिलाने और गले लगने के लिए जी-20 देशों के शासनाध्यक्ष कतार में खड़े नजर आए

-वर्षा भम्भाणी मिर्जा

अपनी सनक में लिए गए फैसलों से हाहाकार मचा देने के आदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लाद दिया है। पहले 25 प्रतिशत की घोषणा के बाद अब 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ बतौर पैनल्टी इसलिए लगा दिया क्योंकि भारत ने रूस से तेल खरीदना (कुल 80 प्रतिशत आयात का 36 प्रतिशत) जारी रखा है; और रखेगा। इसके संकेत भी दे दिए। इसके उलट भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने तो यहां तक कह दिया कि अमेरिका भी तो रूस से यूरेनियम और खाद खरीदता है। यही सवाल जब अमेरिकी राष्ट्रपति से एक संवाददाता ने पूछा तो वे इसे सीधे ही टाल गए। 50 प्रतिशत टैरिफ पर विचार के लिए दुनिया के दादा ने भारत को तीन हफ्तों का समय दिया है क्योंकि तब उनका एक दल ट्रेड डील पर बात करने के लिए भारत में होगा।

यह तो पता नहीं कि बातचीत क्या रुख लेगी, लेकिन अब भारत अमेरिका से पैनल्टी खाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। ऐसा तो ट्रम्प ने युद्ध सुलगाने वाले देशों के साथ भी नहीं किया। रूस और इजराइल के आगे अमेरिका की चाल जरा नहीं बदलती। विस्तारवादी चीन के आगे भी आंकड़ा 30 फीसदी तक पहुंचा है। भारत के साथ केवल ब्राजील खड़ा है जिस पर भी 50 प्रतिशत वाला बम फोड़ा गया है। वहां के राष्ट्रपति लुला डी सिल्वा ने साफ कह दिया है कि ब्राजील व्यापार के नए अवसर तलाशेगा और अपने देश के उद्योगों को राहत देगा। उधर भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अभी रूस में हैं और जल्द ही विदेश मंत्री जयशंकर भी जाने वाले हैं। चीन के साथ भी भारत अपनी पॉलिसी शिफ्ट करता हुआ नजर आ रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस माह के आखिर में चीन जाएंगे। उनकी यह यात्रा पूरे सात साल बाद हो रही है। ऐसा क्यों हुआ कि 'अब की बार ट्रम्प सरकार' से मजबूत हुई यह दोस्ती उस कगार पर पहुंच गई जहां द्विपक्षीय व्यापार इस कदर टूटने लगा?

जवाब अंग्रेजी में लिखने वाले एक पद्मश्री पत्रकार के लेख में खोजा जा सकता है। अमूमन वे इस सरकार के विचार से अलग होकर कम ही लिखते हैं लेकिन इस बार उन्होंने लिखा है। लेख में सवाल है कि अमेरिका के साथ ऐसी नौबत क्यों आई? लेख के मुताबिक लगभग एक दशक से ऐसा लगता रहा था कि भारत अमेरिका का मजबूत सहयोगी है। वाशिंगटन से मुकाबला करने में पाकिस्तान और बांग्लादेश हमसे बेहतर रहे जबकि हमारे यहां मोदी इकोसिस्टम तो आतंरिक सियासी संघर्ष का शिकार हो गया। सरकार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका को यूं नहीं नकारना चाहिए था। संसद की बहस में यह ध्वनि और स्पष्ट हुई कि सरकार यह नहीं स्वीकारना चाह रही है कि ऑपरेशन सिंदूर को रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की कोई भूमिका रही। क्या हो जाता जो सरकार कह देती कि 'धन्यवाद ट्रम्प जी, पाकिस्तान को सद्बुद्धि देने और उसे खुद को विनाश से बचाने के लिए!'

पत्रकार का सवाल वाजिब है। आखिर कूटनीति इसे ही तो कहा जाता है और यहां इस बार हम चूके हैं। युद्ध का रुकना कब गलत हुआ है। वे लिखते हैं-'शुरूआत में भारत नरेन्द्र मोदी की नई सरकार के साथ लगातार अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा था, जो अपने चरम पर उस वक्त दिखा, जब भारत मंडपम में मोदी से हाथ मिलाने और गले लगने के लिए जी-20 देशों के शासनाध्यक्ष कतार में खड़े नजर आए। भारत दुनिया को और खास तौर से पश्चिम को उपदेश पिला रहा था। यह सब मिलकर सत्तातंत्र के विरोधाभास के दो ध्रुवों का पहला ध्रुव बनाता है। दूसरा ध्रुव तब उभरता है जब जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका, कनाडा और दबे रूप से ब्रिटेन के साथ रिश्तों में खटास उभरती है। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर और गुरपतवंत सिंह पन्नू मसले की छाया उभरी, लेकिन ट्रूडो के कनाडा को छोड़ किसी ने कोई हंगामा नहीं खड़ा किया। पहला झटका लगा, जब तत्कालीन अमेरिकी राजदूत एरिक गासेर्टी ने घोषणा की कि बाइडेन को नई दिल्ली में जनवरी में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है और गणतंत्र दिवस की परेड में मुख्य अतिथि बनने का भी न्यौता दिया गया है। उन्होंने इसे रद्द कर दिया, तो फ्र ांस के राष्ट्रपति ने हमें शर्मिंदगी से बचा लिया। इस समय तक हमारा विरोधाभास उभर आया था और उसमें वृद्धि हो रही थी। एक दशक तक यही धारणा बनी रही कि पश्चिमी खेमा भारत को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी मानता है। चीन के साथ उत्तर-पश्चिमी और पूर्वी सेक्टरों में तनाव के दौरान अमेरिकी मदद की खामोश स्वीकृति भी उभरी। हम खुद को पश्चिम का अपरिहार्य व अनिवार्यतः स्वाभाविक सहयोगी मानकर खुश होते रहे लेकिन फिर उसके प्रति इंदिरा युग वाली चिढ़ उभरने लगी थी। लेख का अंत दिलचस्प है जो कहता है- ऐसा क्यों नहीं हुआ? क्योंकि राहुल गांधी ने संघर्षविराम होने के चंद घंटे के भीतर ही पहला वार कर दिया था कि सरकार ने मध्यस्थता स्वीकार की। राहुल गांधी सरकार को अपना एजेंडा बदलने के लिए अक्सर उकसाते रहते हैं। यह सब पीड़ित होने के गहरे भाव में और इजाफा ही करता है। तब क्या वाकई सरकार विपक्ष की भूल-भुलैया में फंस जाती है। जातिगत जनगणना में भी यही हुआ। इस गणना को सर्वथा नकारने वाली सरकार ने फिर इसे कराने की ठान ली। कुछ महीने पहले बिहार में राहुल गांधी की जिद और ललकार ने भी सरकार को प्रेरित किया। बिहार में उन्होंने कहा था-'पहला कदम यह पता लगाना है कि सच्ची स्थिति क्या है। जाति जनगणना को हम छोड़ने वाले नहीं हैं।' इससे पहले भी राहुल गांधी संसद में खम ठोक चुके थे कि, 'अर्जुन की ही तरह उन्हें भी केवल मछली की आंख दिख रही है और वे जातीय जनगणना करा कर रहेंगे।' वे द्रोणाचार्य द्वारा गुरु दक्षिणा में एकलव्य का अंगूठा लिए जाने का उदाहरण देकर कह रहे थे कि आपने किस-किस का अंगूठा काटा है, हम यह जानकर ही दम लेंगे। भारत-अमेरिका के बीच इस तनाव की वजह जानने का एक सवाल जब एआई चैटजीपीटी से पूछा जाता है तो जवाब आता है- साल 2023 में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने एक भारतीय नागरिक को पन्नू की हत्या की कोशिश का आरोपी ठहराया था और ऐसा ही एक मामला कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से भी जुड़ा देखा गया। इन घटनाओं ने विदेशी धरती पर भारतीय खुफिया विभाग को संदेह की निगाह से देखने पर मजबूर किया। समय-समय पर अमेरिकी सरकार और मानव अधिकार संगठनों ने भी भारत में प्रेस की आजादी और धार्मिक स्वतंत्रता के मसलों को गंभीर माना। भारत की ओर से असहमत आवाजों और गैर सरकारी संगठनों पर सख्ती भी एक वजह रही। अमेरिका में विदेश नीति के केंद्र में लोकतंत्र और मानव अधिकार का नैरेटिव काम करता है, लिहाजा तनाव भी बढ़ा। यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में रूस से तेल खरीदना भी एक वजह है।

बहरहाल इन तमाम कारणों से अलग राष्ट्रपति ट्रम्प जो टैरिफ का खेल चला रहे हैं, उसे खुद अमेरिकी कानून ही शक्ति का दुरुपयोग बता रहा है। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला देने वाले ट्रम्प का असल विरोध भी शायद उन्हीं के देश से होगा क्योंकि लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी को वहां बुनियादी हक माना गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता (2008) और अर्थशास्त्र के जानकार पॉल क्रुगमैन ने भी कह दिया है कि व्यापार को लेकर ट्रंप जो भी कर रहे हैं वह गैरकानूनी है और आंकड़े बता रहे हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था अब धीमी हो चली है।

वैसे ट्रम्प की खब्त का कोई ओर-छोर नहीं है। जिस टैरिफ को वे एटम बम बता कर फोड़ते हैं उसकी ताकत सुतली बम से ज्यादा की न हो क्योंकि इसके पहले मैक्सिको और कनाडा को वे अपना 51वां राज्य बनाने का मंसूबा भी जाहिर कर चुके हैं। फिर उनका ग्रीनलैंड खरीदने का मन भी बन गया था। डेनमार्क के डेनिश साम्राज्य के तहत ही ग्रीनलैंड एक स्वतंत्र द्वीप है और इसके नागरिकों ने ही ट्रम्प को टका सा जवाब दे दिया था। ट्रम्प की यही कारोबारी मानसिकता पूरी दुनिया में खलबली मचा रही है जिसका कोई आधार नजर नहीं आता। अलबत्ता एक पासा है जो जब-तब उछाल दिया जाता है। सोचिए, जो शायर अकबर इलाहाबादी इस दौर में होते तो अपनी गजल के इस शेर में क्या कुछ बदलाव करते। काश कि कवियों जैसा थोड़ा सब्र भी इन हुक्मरानों में आया होता-

दुनिया में हूं दुनिया का तलबगार नहीं हूं,
बाजार से गुजरा हूं खरीददार नहीं हूं।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं)

खेल/विदेश/कारोबार

चीन में हलचल हुई तेज, राजनयिक लियू जियानचाओ को हिरासत में लिया गया

(एजेन्सी)।

चीन। के सियासी गलियारों में हलचल तेज है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने मामले से परिचित लोगों के हवाले से बताया कि चीनी अधिकारियों ने वरिष्ठ राजनयिक लियू जियानचाओ को जाँच के लिए हिरासत में लिया है। अखबार ने बताया कि लियू को जुलाई के अंत में विदेश यात्रा के बाद बीजिंग पहुँचने पर हिरासत में ले लिया गया था। हिरासत का कारण स्पष्ट नहीं है। लियू कम्युनिस्ट पार्टी के अंतर्राष्ट्रीय विभाग के प्रमुख हैं, जो विदेशी राजनीतिक दलों से संपर्क करने वाली एक एजेंसी है और चीन के विदेश मंत्रालय के समानांतर काम करती है। वह मई 2022 से इस पद पर हैं।

लियू के वांग यी की जगह बीजिंग के शीर्ष राजनयिक का पदभार संभालने की व्यापक उम्मीद थी। जुलाई 2023 में किन गैंग को उनके पदभार ग्रहण करने के एक साल से भी कम समय बाद अचानक पद से हटा दिए जाने के बाद वांग को फिर से विदेश मंत्री नियुक्त किया गया था। बर्खास्तगी के बाद से किन को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के एसोसिएट प्रोफेसर अल्फ्रेड वू ने कहा कि यह बहुत बड़ी बात है। लियू को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जा रहा था जो भविष्य में चीनी विदेश मंत्री वांग यी की जगह ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर बीजिंग की कार्रवाई, खासकर उच्च पदस्थ अधिकारियों को निशाना बनाकर, भ्रष्टाचार से लड़ने के उनके दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करके आम लोगों के बीच शी की वैधता और लोकप्रियता को भी बढ़ाती है। वु ने आगाह किया कि हिरासत से जुड़े विवरण अस्पष्ट हैं और शायद कभी उजागर न हों लेकिन उन्होंने कहा कि जब वरिष्ठ चीनी सरकारी अधिकारियों से पूछताछ की जाती है, तो सबसे संभावित कारण भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दे होते हैं। विदेश मंत्रालय ने नियमित कार्य समय के बाद टिप्पणी मांगने वाले वीचैट संदेश का तुरंत जवाब नहीं दिया। हरख ने कहा कि लियू और अंतर्राष्ट्रीय विभाग से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। अंतर्राष्ट्रीय विभाग की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, लियू की आखिरी सार्वजनिक गतिविधि 29 जुलाई को हुई थी, जब उन्होंने अल्जीरिया में स्थानीय अधिकारियों से मुलाकात की थी। लियू का विदेश मंत्रालय में लंबा अनुभव रहा है। 1986-1987 तक ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का अध्ययन करने के बाद, उन्होंने नौकरशाही में काम करने से पहले एक अनुवादक के रूप में काम किया और अंततः सूचना विभाग में आ गए।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.36 लाख करोड़ रुपये घटा

(एजेन्सी)।

भारतीय शेयर बाजार में कमजोरी का सिलसिला जारी रहने की वजह से बीते सप्ताह देश की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा झटका लगा। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स लगातार छठे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। पिछल हफ्ते सेंसेक्स 742.12 अंक यानी 0.92 प्रतिशत गिरा, जबकि निफ्टी में 202.05 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।(इस गिरावट के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी दिग्गज कंपनियों के बाजार मूल्य में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस को इस दौरान लाभ हुआ। सबसे अधिक गिरावट रिलायंस इंडस्ट्रीज को झेलनी पड़ी, जिसका बाजार पूंजीकरण 34,710.8 करोड़ रुपये घटकर 18,51,174.59 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 29,722.04 करोड़ रुपये घटकर 15,14,303.58 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का पूंजीकरण भी 24,719.45 करोड़ रुपये घटकर 10,25,495.69 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का 19,504.31 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,91,423.02 करोड़ रुपये रह गया। इस अवधि में भारती एयरटेल का पूंजीकरण 15,053.55 करोड़ रुपये घटकर 10,59,850.32 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का पूंजीकरण 12,441.09 करोड़ रुपये घटकर 5,87,021.88 करोड़ रुपये पर आ गया।

दूसरी तरफ, एलआईसी की बाजार हैसियत 17,678.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,77,187.67 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस दौरान टीसीएस का मूल्यांकन 11,360.8 करोड़ रुपये बढ़कर 10,97,908.66 करोड़ रुपये, एसबीआई का 9,784.46 करोड़ रुपये बढ़कर 7,42,649.34 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का 186.43 करोड़ रुपये बढ़कर 5,45,148.52 करोड़ रुपये हो गया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने अंडर-20 एएफसी महिला एशियाई कप के लिए किया क्वालीफाई

(एजेन्सी)।

रविवार को भारत की अंडर-20 महिला राष्ट्रीय टीम ने यांगून के थुवुन्ना स्टेडियम में अपने अंतिम ग्रुप डी मुकाबले में मेजबान म्यांमार को 1-0 से हराकर इतिहास रच दिया है। इस दौरान भारतीय महिला टीम ने 20 साल के लंबे इंतजार के बाद एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई किया है। यंग टाइग्रेसेस ने सात अंकों के साथ अपने ग्रुप में टॉप स्थान हासिल किया है। वहीं पूजा ने 27वें मिनट में गोल करके थुवुन्ना स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का दिल जीत लिया।

वही मैच दो हिस्सों में खेला गया था। पले हाफ में भारत ने दबदबा बनाया, जबि दूसरे हाफ में म्यांमार ने दबदबा बनाया। नेहा और सिबानी देवी नोंग्मीकापम ने तीसरे मिनट में ही मिलकर गोल कर दिया, जब सिबानी ने म्यांमार को एक क्रॉस दिया, जिसे म्यांमार गोल करने से बस कुछ ही इंच दूर रह गया। मेजबान टीम ने सारा दबाव झेलते हुए कुछ जवाबी हमले भी किए और 9वें मिनट में फॉरवर्ड सु सु खिन, यिन लून इआन से सीने पर गेंद लगने के बाद गोल करने के करीब पहुंच गई।

वहीं जैसे-जैसे समय बीता म्यांमार ने खेल में अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू कर दी। लेकिन भारत ने 30वें मिनट से कुछ मिनट पहले ही पूजा के गोल की बदौलत मुकाबले में बढ़त बना ली। पूजा ने ही काउंटर पर हमला शुरू किया था और फिर दाईं ओर से क्रॉस किया। दूसरी तरफ से नेहा गेंद के सिरे तक पहुंचने में कामयाब रहीं और उन्होंने गेंद को वापस गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। पूजा, जो तब तक गोलपोस्ट तक पहुंच चुकी थीं, को प्रतिक्रिया देने का समय ही नहीं मिला और उन्होंने अपने धड़ से गेंद को गोल लाइन के पार पहुंचा दिया।

रोहित शर्मा की फिटनेस पर फिर उठे सवाल!

(एजेन्सी)। हाल ही में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह कर टीम इंडिया के वनडे कप्तान रोहित शर्मा अपने परिवार के साथ यूके में छुट्टियां बिताने के बाद अब स्वदेश लौट आए हैं। लेकिन इस दौरान वह बुरी तरह ट्रोल होने लगे हैं। दरअसल, रोहित शर्मा की एक वीडियो और तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। जिसमें वो एयरपोर्ट से बाहर निकलते दिख रहे हैं। इस वायरल वीडियो में रोहित काफी हेल्दी लग रहे हैं और उनका पेट भी बाहर निकल रहा है जिस कारण वह काफी ट्रोल हो रहे हैं। इस वायरल वीडियो में जब रोहित ने एक सिक्योरिटी गार्ड को गले लगाया तो साफ पता चल रहा था कि हिटमैन का पेट बाहर निकल हुआ है। साथ ही उनकी चाल-ढाल भी बयां कर रही थी कि क्रिकेट से दूर रहने के बाद उनकी फिटनेस में भी गिरावट आई है। रोहित शर्मा आखिरी बार 1 जून 2025 को आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए दिखे थे। वहीं टीम इंडिया के लिए उनका आखिरी मैच 9 मार्च को था। जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम किया था।

बूथ स्तरीय प्रतिनिधि बीएलए टू का प्रशिक्षण सम्पन्न

एसबी संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय विधानसभा क्षेत्र के बूथ स्तरीय प्रतिनिधि बीएलए 2 का प्रशिक्षण कार्यशाला एवं कार्यकर्ता सम्मेलन स्पलास बैंक्वेट हॉल रतनपुर में सम्पन्न हुआ। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनैतिक दलों की तैयारियों को अमली जामा पहनाया जा रहा है। इस सिलसिले में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस बढ़त लेती नजर आ रही है।

इस सिलसिले में कांग्रेस पार्टी ने 146 बेगूसराय विधानसभा क्षेत्र के बूथ स्तरीय प्रतिनिधि बीएलए 2 का प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया। बेगूसराय विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक अमिता भूषण के नेतृत्व और मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में क्षेत्र के लगभग 350 बीएलओ सहित सैकड़ो अन्य कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। उपस्थित कार्यकर्ताओं को प्रदेश से आये विवेक, प्रियांश, अमन सिद्दीकी, राजकुमार, मयंक ने विस्तारित रूप से बीएलओ को मार्गदर्शन दिया। बीएलए की भूमिका खासतौर पर आने के बाद काफी बड़ी हो गई है उस भूमिका को हम कैसे बेहतर उपयोग कर सकते हैं इस बात का खास प्रशिक्षण दिया गया। उपस्थित बीएएल ए और अन्य कार्यकतों को संबोधित करते हुए अमिता भूषण ने कहा कि राहुल गांधी ने सरकार और चुनाव आयोग की जो चोरी पकड़ी है उस चोरी से बचने का सबसे बड़ा हथियार हमारा बीएलए साथी हैं। बीएलए की भूमिका पूरे चुनाव में सबसे बड़ी होने बाली है। राहुल के सपनों का भारत बीएलए के यहाँ से ही गुजरेगा। भूषण ने बेगूसराय विधानसभा के चुनावी इतिहास और स्थानीय समीकरणों को स्पष्ट करते हुए कहा कि बेगूसराय विधानसभा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बुलंद हौसलों का हमेशा से गवाह रहा है, हर चुनौतियों से जूझते हुए कार्यकर्ताओं ने यहां कांग्रेस का झंडा हमेशा से बुलंद रखा है जिसका गवाह यहाँ के राजनीतिक और चुनावी इतिहास में दर्ज पर है। कार्यकर्ताओं के दम पर ही हमने पहले भी चुनावीत का इतिहास रचा है और इस बार भी ऐतिहासिक जीत दर्ज करने में सफल होंगे। मौके पर आगत कार्यकर्ताओं ने भी अपने पंचायत और बूथ स्तर पर आने बाली समस्याओं से प्रदेश के नेताओं को अवगत कराया जिसका समाधान यथोचित तरीके से किया गया।

मौके पर बीएलए सहित विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखंड अध्यक्ष, ओमप्रकाश सिंह, धर्मराज सहनी, विजय सिंह, ब्रजेश कुमार प्रिंस, सुनील सिंह, मिथलेश झा, रामस्वरूप पासवान, मो. जफर, पंचायत अध्यक्ष, नीरज कुमार, दिनेश महतों, झरीलाल तानती, अभिजीत कुमार, आलोक कुमार, मो अशरफ, शंभु साह, अशोक साह, असगर इमाम, डाबर खान, सुरेंद्र महतों, अनिल सिंह, मो जावेद, बालेश्वर महतो, भानु सिंह सहित स्थानीय नेता आलोक जगा, मोहित सिंह, कुशमेश कुमार, संजीव सिंह, गीता प्रसाद सिंह, जयप्रकाश गुप्ता, कमल किशोर पोद्दार, अर्जुन पोद्दार, अमित शाह, मुकेश प्रियदर्शी, पप्पू सिंह, रामपदारथ यादव, चंदन कुमार, कुमार रत्नेश टुल्लू, नीरज कुमार, आनंद प्रेम सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'बिल लाओ इनाम पाओ' योजना को मिली शानदार सफलता, विजेताओं को 3.3 करोड़ से अधिक के इनाम : हरपाल सिंह चीमा

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज राज्य की फ्लैगशिप स्कीम "बिल लाओ इनाम पाओ" की शानदार सफलता का ऐलान किया। जिम्मेदार उपभोक्ता व्यवहार को बढ़ावा देने और कर अनुपालन को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सितंबर 2023 में इसकी शुरूआत से जुलाई 2025 तक 'मेरा बिल' ऐप पर कुल 1,76,832 बिल अपलोड किए गए, जिसके परिणामस्वरूप 5,644 विजेताओं को कुल 3,35,80,215 रुपये के इनाम दिए गए। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने यहां जारी प्रेस बयान में बताया कि नागरिकों को बिल मांगने के लिए प्रेरित करने वाली इस स्कीम का कर प्रवर्तन पर गहरा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत बिल जारी करने में अनियमितता करने वाले संस्थानों पर 9,07,06,102 रुपये के जुमार्ने लगाए गए, जिनमें से 7,30,92,230 रुपये वसूल किए जा चुके हैं। यह वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे बताया कि इस योजना से 135 नए पंजीकरण भी हुए हैं, जिससे कर के दायरे का विस्तार हुआ है। वित्त मंत्री ने 7 अगस्त को पटियाला स्थित कराधान और आबकारी विभाग के मुख्यालय में जुलाई 2025 के लिए निकाले गए लकी ड्रॉ के विवरण साझा करते हुए बताया कि इस अवधि में 'मेरा बिल' ऐप पर 6,345 बिल अपलोड हुए, जिनमें से 257 विजेताओं ने कुल 15,30,015 रुपये की इनामी राशि जीती। उन्होंने बताया कि विजेताओं से आवश्यक विवरण, खासकर बैंक खाता नंबर प्राप्त होने पर इनामी राशि तुरंत उनके खातों में ट्रांसफर कर दी जाती है। उन्होंने विजेताओं से जल्द से जल्द आवश्यक जानकारी देने की अपील करते हुए, आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार की पारदर्शिता और दक्षता के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया। जनभागीदारी को निरंतर बढ़ावा देते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने पंजाब के नागरिकों से अपील की कि वे अपनी खरीददारी के लिए बिल अवश्य मांगें और "बिल लाओ इनाम पाओ" स्कीम में सक्रिय रूप से भाग लें।

अनुपूर्णेश्वरी का सजा दरबार, भक्तों ने लगाया जय जयकार

■ मां के हरियाली श्रृंगार में विजय कपूर ने भजनों से लगाई हाजिरी

हरियाली श्रृंगार में भजन गाते हुए डा. विजय कपूर। (छाया: एसबी)

डा. विजय कपूर को सम्मानित करते हुए अन्नपूर्णा मंदिर के महंत शंकरपुरी महाराज। (छाया: एसबी)

एसबी संवाददाता

वाराणसी। सावन के पूर्णिमा तिथि पर भगवती अन्नपूर्णा का हरियाली श्रृंगार किया गया। इस दौरान मंदिर प्रांगण समेत पूरे परिसर को सुगंधित पुष्पों और विद्युत झालरों से सजाया गया। माता के गर्भगृह को रातरानी, बेला, गुलाब, गेंदा, अशोक और कामिनी की पत्तियों से सजाया गया था।

मध्याह्न भोग आरती के बाद से झांकी दर्शन सुरू हुआ जो देर रात मंदिर कपाट बंद होने तक तक चलता रहा। मंदिर प्रबंधन काशी मिश्रा ने बताया कि सुबह मंगल बेला में महंत शंकर पूरी ने माता को पंचामृत स्नान कराया गया। इसके बाद उनका श्रृंगार किया गया। उसके बाद आम भक्तों के दर्शन के लिए माता का कपाट खोल दिया गया। मंदिर के महंत ने शाम को माता की विशेष आरती की। इसके बाद माता को भोग लगाया गया, भक्तों में प्रसाद स्वरूप वितरित किया गया।

हर वर्ष की भांति सावन में हरियाली श्रृंगार पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ, कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ डॉ सनिश ज्ञावली डॉ संदीप केवले डॉ आनंद मिश्रा ने बांसुरी तबले सितार के जुगलबंदी से मां के चरणों में हाजिरी लगाई पं रवि शंकर मिश्रा डॉ ममता टंडन सोनी सेठ ने कथक नृत्य के भाव सजाते हुए शिव वंदना नागेंद्रहाराय त्रिलोचनाय जय जय भवानी दुर्गे रानी सहित राधा कृष्ण पर आधारित झूला प्रसंग को प्रस्तुत किया हारमोनियम गायन पर गौरव मिश्रा तबले पर पं भोलानाथ मिश्र ने सहयोग किया शास्त्रीय गायक पं नरेंद्र झा ने राग दरबारी तीन ताल मे घंटा द्वारे बाजे निस दिन राग दुर्गा में शरण तेरी हे मा तू।

सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक डा विजय कपूर ने अन्नपूर्णा तुम्हारी इच्छा पर हम द्वार तुम्हारे आए हैं।

मिर्जापुरी कजरी-हे मैया झूले चनन झूलनवॉ पवनवॉ।

बनारसी कजरी-जै जै बोलो अन्नपूर्णा महारानी की जगत भवानी की ना।

शिव भजन-डम डम डमरू बजावेला हमार जोगिया आदि भजन गायक उपस्थित भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बाढ़ प्रभावित लोगों की सेवा करना 15 बार शिव जी के जल चढ़ाने के बराबर है-राकेश सिन्हा

एसबी संवाददाता

तेघड़ा (बेगूसराय)। तेघड़ा प्रखंड में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र भ्रमण के दौरान बाढ़ प्रभावित लोगों के समस्या से अवगत होकर अंचल अधिकारी रविशंकर को फोन पर उन्होंने कहा 15 बार शिव जी के जल चढ़ाने के बराबर है बाढ़ प्रभावित लोगों की सेवा करना। अभी 12:00 बजे है। लोगों को नाश्ता भी नहीं मिला है। जबकि यहां बाढ़ प्रभावित परिवारों में छोटे छोटे बच्चे हैं वह कैसे रहेंगे। रातगांव पंचायत के वार्ड संख्या 13 और 14 भगवानपुर चक्की पर के लोगों को आवागमन के लिए सरकारी रजिस्टर में पांच नाव दी गई है लेकिन धरातल पर तीन नाव ही उपलब्ध है। वही यहां पर रह रहे परिवारों में कुछ परिवार को पन्नी मिला है और अधिकांश परिवार इससे वंचित है। उन्होंने कहा सावन में शिव जी को जल नहीं चढ़ाया हैं तो कोई बात नहीं है। लेकिन बाढ़ प्रभावित लोगों का सेवा कीजिए उससे अधिक पुण्य मिलेगा। अभी का समय आरोप प्रत्यारोप करने का नहीं है। बाढ़ प्रभावित परिवारों को सुबह आठ बजे तक नाश्ता और 12 बजे तक भोजन मिल जाना चाहिए ऐसी व्यवस्था हो।

अगले वर्ष से बाढ़ प्रभावित लोगों को परेशानी ना हो इसके लिए उठाएंगे

कदमः पूर्व राज्यसभा सदस्य राकेश सिन्हा ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र भ्रमण के दौरान विसौआ में उन्होंने कहा अगले वर्ष से बाढ़ प्रभावित लोगों को परेशानी नहीं होगी इसके लिए हम सख्त से सख्त कदम उठाएंगे। प्रत्येक वर्ष बछवारा प्रखंड से लेकर तेघड़ा प्रखंड साहेबपुर कमाल, बलिया प्रखंड और सामहो प्रखंड के लोगों को बाढ़ की विभीषिका झेलनी पड़ती है। इसके लिए बचाव कैसे हो विशेषज्ञ की टीम से मिलकर इसका निराकरण करवाएंगे। इसके लिए हमें जो करना पड़ेगा हम करने के लिए तैयार है। बाढ़ प्रभावित लोगों की समस्या को सड़क से लेकर सदन तक पहुंचाने का काम हम करेंगे। इस समस्या का निराकरण हेतु हम मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक मिलकर पहल करके इसका अस्थाई निराकरण करेंगे।

मौके पर भाजपा नेता सुनील कुमार, विवेक गौतम, राकेश कुमार महंत, अविनाश कुमार शम्भू, विपुल कुमार, मंटुन मिश्रा, माखन लाल सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

पूर्व मंत्री आबिद रजा व चेयरमैन फात्मा रजा ने पंजाबी समाज सेवा समिति द्वारा बनाये गये शीतल जल प्याऊ का किया उद्घाटन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इन्तजार हुसैन

बदायूँ। रविवार को बदायूँ शहर की पंजाबी समाज सेवा समिति के द्वारा रेलवे स्टेशन रोड पर एक "शीतल जल प्याऊ" बनाया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री आबिद रजा व विशिष्ट अतिथि चेयरमैन फात्मा रजा रही अध्यक्षता सुशील धींगड़ा व पंजाबी समाज सेवा समिति अध्यक्ष विन्नी नारंग ने की।

कई दिन पहले पंजाबी समिति के अध्यक्ष विन्नी नारंग अपने पदाधिकारीयों के साथ पूर्व मंत्री आबिद रजा से मिले, उन्होंने रेलवे स्टेशन के पास पालिका की जगह पर जनहित में रूपिन्दर लाबा द्वारा अपने माता पिता की याद में एक "शीतल जल प्याऊ बनाने का अनुरोध किया था। पंजाबी समीति के अनुरोध पर पूर्व मंत्री

आबिद रजा ने चेयरमैन फात्मा रजा से जनहित में पंजाबी समीति के अनुरोध पर सहमति का आग्रह किया जिसको चेयरमैन फात्मा रजा ने शहर की जनता के हित मे स्वीकार कर लिया।

इसी परिपेक्ष में पंजाबी समाज सेवा समीति के पदाधिकारी रूपन्दिर सिंह लांबा द्वारा बनाये गये शीतल जल प्याऊ का उद्घाटन पूर्व मंत्री आबिद रजा व चेयरमैन फात्मा रजा ने विधिवत रूप से किया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री आबिद रजा ने कहा कि पानी किसी भी इंसान की जिन्दगी में बहुत जरुरी है। जब मैं शहर का चेयरमैन था तब मैंने 12 ट्यूबवैल बनवाए थे तथा शहर मे लगभग 50 आर ओ लगवाए थे। आज फात्मा रजा के नेतत्व में भी शहर में 17 नए ट्यूबवैल बन रहें। पानी पर फात्मा रजा द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि के रूप में फात्मा रजा ने कहा कि हम पंजाबी समीति के साथ खड़े हैं जो भी कार्य पालिका से सम्बधित कार्य पंजाबी समाज सेवा समीति द्वारा बताया जाएगा उसको तत्काल कराया जाएगा।

उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से पंजाबी समाज सेवा समिति के अध्यक्ष विन्नी नारंग, सुशील धींगडा, अशोक खुराना, गुरुदीप सिंह, अशोक नारंग, रुपिन्दर सिंह लाबा, नानक, हरीश बजाज, मोनु मिनोचा, मनमोहन भसीन, तनुज आहुजा, ज्योति मेंदीरत्ता, डी० रविन्द्र सिंह, डी० अजीत पाल सिंह, निरीश जुनेजा, हरभजन सिंह, राजेश धींगडा, अमित गांधी समेत सभी पंजाबी समाज सेवा समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

ऋषि ब्रदर्स द्वारा आयोजित टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का यूटीसीए प्रेसिडेंट ने किया उद्घाटन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। युवाओं को नशे से दूर रहने और खेलों की तरफ अपना मन लगाने की भावना को लेकर ऋषि ब्रदर्स द्वारा लगातार पिछले 4 वर्षों से ट्राइसिटी में टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन करवाया जाता रहा है। इस वर्ष भी ऋषि ब्रदर्स द्वारा टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन करवाया गया। इस आयोजन में देश के हर कोने से टीमें पहुंची। आपको बता दें कि इस आयोजन में 16 के करीब टीमों ने भाग लिया। वही इस मौके पर चंडीगढ़ के सीनियर बीजेपी लीडर व यूटी क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट संजय टण्डन ने इस आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। संजय टंडन ने रिबन काटकर सभी टीमों की हौसला अफजाई करते हुए इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया। वहीं इस मौके पर आयोजन की जानकारी देते हुए ऋषि ब्रदर्स ने बताया कि विजेता टीम को 2 लाख रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा। इसके साथ उन्होंने बताया कि इससे खिलाड़ी युवाओं का मनोबल तो बढ़ेगा ही साथ ही साथ ही उन्हें आर्थिक मजबूती भी मिलेगी। इसके साथ ही उन्होंने टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी कड़ी मेहनत करें ताकि भविष्य में वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलकर भारत देश का नाम रौशन करें।

हर घर तिरंगा अभियान ने पूरे देश को देशभक्ति की भावना में ओतप्रोत होने का अवसर दिया : रणबीर गंगवा

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि तिरंगा हमारी आन-बान-शान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से पूरे देश को देशभक्ति की भावना में ओतप्रोत होने का अवसर प्रदान किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है। श्री गंगवा शनिवार को हिसार के बरवाला में भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल होने उपरांत बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा ने कृषि क्षेत्र में लगातार प्रगति की है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से औद्योगिक गतिविधियों और सूचना प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि हमारी आन-बान-शान का प्रतीक तिरंगा है। सभी लोग इस अभियान के तहत 13, 14 और 15 अगस्त को पूरे स्वाभिमान के साथ अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराएं।

महान शहीदों के नक्शेकदम पर चलकर पंजाब और पंजाबियों की सेवा कर रहे हैं-मुख्यमंत्री

■ राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में पंजाबियों के अनुकरणीय योगदान को याद किया

संजना भारती संवाददाता

ढढोगल (संगरूर)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार महान शहीदों के नक्शेकदम पर चलते हुए राज्य के विकास और लोगों की भलाई, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर और दबे-कुचले वर्गों के लिए कल्याणकारी कार्यों को सुनिश्चित कर रही है।

आज यहां शहीद भगत सिंह ढढोगल की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित समारोह के दौरान सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पवित्र धरती को महान गुरुओं, संतों-महापुरुषों, पीरों और शहीदों का आशीर्वाद प्राप्त है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाबियों में कठिन परिश्रम करने का अमिट जज्बा है, जिसके कारण उन्होंने हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में सामाजिक रिश्तों की डोर इतनी मजबूत है कि इस उपजाऊ जमीन पर कुछ भी उगाया जा सकता है, लेकिन नफरत का बीज कभी नहीं उग सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब महान गुरुओं, संतों और पैगंबरों की पवित्र धरती है, जिन्होंने हमें आपसी प्रेम और सहिष्णुता का मार्ग दिखाया। भगवंत सिंह

मान ने कहा कि पंजाबियों ने हमेशा प्रेम और सद्भावना को मजबूत करते हुए जुल्म, अन्याय और अत्याचार का विरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए बड़े प्रयास कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक नागरिक को आजादी का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के 75 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी आजादी का लाभ हर घर तक नहीं पहुंचा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों ने नशीले पदार्थों जैसे चिट्टे को फैलाने, लोगों को लूटकर धन इकट्ठा करने, भ्रष्टाचार की गतिविधियों को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियों के लिए आजादी का दुरुपयोग किया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि शहीदों के सपने अभी तक पूरे नहीं हुए हैं क्योंकि इन लोगों ने इसके लिए कभी कोई ठोस प्रयास नहीं किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाबियों ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाई है और सत्ता में बैठे लोगों से उन्हें अपनी देशभक्ति के लिए किसी भी तरह के एन.ओ.सी. की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि इन महान देशभक्तों और राष्ट्रीय नेताओं के प्रति इस तरह का अनादर किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों ने कभी लोगों की परवाह नहीं की और सिस्टम को तबाह कर दिया, जिसके कारण निराश होकर युवा विदेश जाना चाहते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पिछली सरकारों की खराब कार्यप्रणाली के कारण राज्य के युवाओं को उस देश में जाकर काम करना पड़ा, जिसके शासकों को हमारे शहीदों और देशभक्तों ने देश से भगा दिया था। पिछली सरकारों के नेताओं पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने अपने सरकारी पदों का दुरुपयोग करके अथाह संपत्ति इकट्ठी की और अपने लिए बड़े-बड़े महलनुमा घर बनाए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनके महलों की ऊंची दीवारें और बड़े दरवाजे आमतौर पर लोगों के लिए बंद ही रहते थे और जिस तरह ये नेता लोगों की पहुंच से बाहर रहते थे, उसी तरह पंजाब के लोगों ने भी उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत दुखद है कि पारंपरिक राजनीतिक दलों के उदासीन रवैये के कारण राज्य के विकास की गति भी पीछे रह गई। उन्होंने कहा कि इन दलों के नेताओं ने अपने रसूख और शक्तियों का दुरुपयोग करके राज्य की युवा पीढ़ी को बबार्दी की ओर धकेल दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन नेताओं ने कभी भी लोगों की भलाई के बारे में नहीं सोचा, बल्कि उनका ध्यान केवल अपने परिवारों को समृद्ध करने पर रहा।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार की ओर से 'हिंद दी चादर' (मानवता के रक्षक) श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी के 350वें शहीदी पर्व के ऐतिहासिक अवसर को मनाने के लिए ऐतिहासिक समारोह आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब के चरण छोह गांवों और नगरों का व्यापक विकास सुनिश्चित किया जाएगा, जिसके लिए विस्तृत योजना पहले ही तैयार की जा चुकी है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए गुरु साहिब की शानदार विरासत को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा की बदौलत हजारों बहनों ने अपने भाइयों को बांधी राखी

हजारों बहनों ने उठाया निशुल्क यात्रा का लाभ, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जताया आभार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। शनिवार को पूरे प्रदेश में रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया गया। बहनें अपने भाइयों के पास जाकर उन्हें राखी बांध सकें, इसके लिए प्रदेश सरकार के आदेशानुसार जिला प्रशासन की ओर से पुख्ता प्रबंध किए गए थे। महिलाओं व उनके 15 साल तक के बच्चों को हरियाणा रोडवेज की की साधारण बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की गई। हजारों बहनों ने इस सुविधा का लाभ उठाया और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया किया। निशुल्क यात्रा की सुविधा शुक्रवार दोपहर 12 बजे से ही शुरू हो गई थी।

महिलाओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसको लेकर सभी बस स्टैंड पर कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई थी। बसों की जानकारी देने के लिए हेल्प डेस्क की व्यवस्था भी गई थी। बहन को समय पर घर पहुंचाने के लिए कर्मचारी अलर्ट नजर आए। लोकल रूट के अलावा हरिद्वार, देहरादून, चंडीगढ़, अंबाला, करनाल, पानीपत, दिल्ली, जींद, हिसार सहित अन्य लॉन्ग रूट पर चली। निशुल्क यात्रा की सुविधा शनिवार रात 12 तक जारी रही। रोडवेज महाप्रबंधक कमलजीत चहल ने बताया कि कैथल डिपो की करीब 185 रोडवेज बसें रूट पर चल रही हैं।

मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी।

बहनों को समय पर उनके गंतव्य स्थल पर पहुंचाने के लिए सभी अधिकारी कर्मचारी लगे हुए हैं। डीसी प्रीति ने सभी जिलावासियों को रक्षा बंधन के पावन त्यौहार की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आदेशों की पालना में जिला प्रशासन द्वारा महिलाओं की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे, ताकि महिलाओं को आवागमन में किसी प्रकार की कोई परेशानी न आये।

रक्षा बंधन के अवसर पर नि:शुल्क बस यात्रा के लिए मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी का धन्यवाद करती महिला यात्री। (छाया: एसबी)

गांव रसीना निवासी दीया शर्मा ने बताया कि मैं कैथल में पढ़ाई करती हूं, आज रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर मुझे घर जाना है। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने महिलाओं के लिए बहुत अच्छी सुविधा की है। हरियाणा सरकार सभी वर्गो की भावना को समझते हैं और आज नायब सिंह सैनी ने अपनी बहनों के लिए निशुल्क यात्रा का नायाब तोहफा दिया है। हम उनका दिल की गहराइयों से धन्यवाद करते हैं। जींद निवासी रूपाली ने कहा कि वह कैथल में अपने भाईयों को राखी बांधने के लिए आई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बहुत अच्छी सुविधा प्रदान की है। हमें समय पर और सरलता से बस मिल गई थी। बस स्टैंड पर महिलाओं की सहायता के लिए कर्मचारी लगाए गए हैं।

कैथल निवासी सोनिया ने कहा कि उनका मायका जींद जिले का सामदो गांव है। रक्षा बंधन का त्यौहार भाई बहन पवित्र प्यार और अटूट विश्वास का प्रतीक है। इससे भाई बहन का रिश्ता और अधिक मजबूत होता है। कुछ लोगों की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं होती, जिसकी वजह से वे इस पर्व को मनाने के लिए अपने घर जाने से हिचकिचाते थे, लेकिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस पर्व पर महिलाओं व उनके साथ 15 साल के बच्चों का किराया माफ करके बहुत अच्छा काम किया है।

हरिद्वार से कैथल पहुंची एक महिला ने कहा कि वह अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए यहां आई है। सफर बहुत ही सुगम एवं निशुल्क था। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री नायब सैनी का धन्यवाद करती हुं।

भाजपा सरकार वादों की नहीं, अपितु कार्यों की सरकार: योगेन्द्र राणा

विधायक योगेंद्र राणा ने लगभग 32 लाख रुपये की विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। असंध विधानसभा क्षेत्र में विकास की रफ्तार को और तेज करते हुए आज विधायक योगेंद्र राणा ने आज तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इन कार्यों पर कुल मिलाकर लगभग 32 लाख रुपये की लागत आई है। विधायक योगेन्द्र राणा द्वारा गांव बहलोलपुर में 10 लाख रुपए की लागत से निर्मित लंगर हाल का उद्घाटन किया गया, जो धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के लिए अत्यंत उपयोगी रहेगा तथा गांव बजीदा रोड़ान में 12 लाख रुपए की लागत से अंकित जैलदार के घर तक के कच्चे रास्ते को पक्का किया गया, जिससे स्थानीय निवासियों को आने-जाने में सुविधा होगी और इसके अतिरिक्त गांव जुंडला में 10 लाख रुपए की लागत से गुरु रविदास सरोवर एवं पार्क में नव निर्मित शेड का लोकार्पण किया गया, जो संगत और बैठकों के लिए उपयोगी स्थान प्रदान करेगा।

इस अवसर पर विधायक योगेंद्र राणा ने मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल तथा पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा की यह सरकार वादों की नहीं, कार्यों की सरकार है। भाजपा का लक्ष्य हर गांव, हर व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है और इसके लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की योजनाएं हर वर्ग के हित में बनाई गई हैं फिर चाहे वो किसान हो, युवा,महिला या वंचित समाज के लिए हों विधायक योगेन्द्र राणा ने कहा कि जनता का विश्वास ही हमारी असली ताकत है, और उसी के बल पर हम आगे बढ़ रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान विधायक योगेंद्र राणा ने आगामी 11 अगस्त को असंध विधानसभा में होने वाली तिरंगा यात्रा का भी निमंत्रण दिया। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा इस तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें और इसकी शोभा बढ़ाएं। यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि देशभक्ति की अभिव्यक्ति है।

गढ़ी जाटान में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। गांव गढ़ी जाटान में रविवार को विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने भारत रत्न और संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।

रामकुमार कश्यप ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन वंचित और शोषित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने जात-पात और भेदभाव से ऊपर उठकर भारतीय संविधान का निर्माण किया, जिससे सभी नागरिकों को समानता और न्याय का अधिकार मिला। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब किसी एक समाज के नहीं, बल्कि पूरे देश की अमानत हैं। उनका समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का संदेश आज भी लोकतंत्र की मूल आधारशिला है। कार्यक्रम में पंचायत समिति चेयरपर्सन उषा कटारिया, सदस्य अनीता, सरपंच रविंद्र दत्त शर्मा, भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

तिरंगा हमारी शान है, इसका सम्मान हमारा कर्तव्य: विधायक सतपाल जाम्बा

हर घर तिरंगा अभियान के तहत करोड़ा गांव में निकाली तिरंगा यात्रा, आमजन ने लिया उत्साह से भाग

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। रविवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत करोड़ा गांव में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा की अगुवाई पूंडरी के विधायक सतपाल जाम्बा ने की। यात्रा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से शुरू होकर बाबा रामनाथ मंदिर होते हुए शहीद स्मारक बस स्टैंड करोड़ा में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जगह जगह तिरंगा यात्रा का लोगों द्वारा स्वागत किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, क्षेत्रवासियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में पूरे देश एवं प्रदेश में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। पूरा देश तिरंगे के रंग में रंगा हुआ है। तिरंगा हमारी शान है, इसका सम्मान हमारा कर्तव्य है। यह यात्रा राष्ट्रभक्ति, एकता और तिरंगे के सम्मान का सशक्त प्रतीक है। हमारे देश के बहादुर सैनिक तिरंगे की आन बान शान को कायम रखने के लिए सर्दी, गर्मी, बारिश में सीमाओं पर तैनात रहते हैं और देश की रक्षा करते हैं। हमे हमारे सैनिकों पर गर्व है। अभी हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हमारे जाबांज सैनिकों ने दुश्मन को मुहतोड़ जवाब दिया था। विधायक सतपाल जांबा ने तिरंगा यात्रा में शामिल होने पर सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया।

राजौंद में पानी निकासी को लेकर पूर्व सैनिक ने जताई चिंता

नपा सचिव ने दिया समाधान का आश्वासन

एसबी ब्यूरो

राजौंद। राजौंद के वार्ड नंबर 10 निवासी पूर्व सैनिक कुलदीप राणा ने अपने घर के पास पानी निकासी की व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका राजौंद द्वारा उनके घर के पास नाली में पाइप दबाई गई है। उनका कहना है कि यदि यह पाइप किसी कारण से ब्लॉक हो गई, तो बारिश या अधिक पानी आने की स्थिति में पानी उनके घर में घुस सकता है, जिससे नुकसान की आशंका बनी रहती है। उन्होंने नपा से अनुरोध किया है कि उनके घर के पास दबाई गई पाइप को हटाकर खुला नाला बनाया जाए, ताकि पानी निकासी की समस्या न हो।

इस मामले में नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने कहा कि पूर्व सैनिक कुलदीप राणा के अनुरोध पर ही वहां पाइप दबाई गई थी। उनका घर गली के स्तर से नीची जमीन पर स्थित है, जिसके चलते नाली का पानी बारिश होने पर कुछ समय के लिए घर के अंदर जा सकता था। इस कारण नागरिक पूर्व सैनिक कुलदीप राणा के अनुरोध पर पाइप बिछाकर पानी के प्रवाह को नियंत्रित किया गया था।

सचिव ने आगे बताया कि वर्तमान में आगे की गली में नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यदि दबाई गई पाइप लाइन से किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है, तो पाइप को हटाकर वहां ओपन नाला बना दिया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि नपा राजौंद के किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशानी नहीं होने दी जाएगी और समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

नशा मुक्त भारत 2047: हेल्पलाइन 1933 पर दें जानकारी, पहचान रहेगी गोपनीय-डीसी उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि 'नशा मुक्त भारत 2047' अभियान के तहत केंद्र सरकार नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नार्कोटिक्स तस्करी पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठा रही है। इसी दिशा में गृह मंत्रालय ने नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 शुरू की है, जो 24 घंटे और सातों दिन सक्रिय रहेगी। उन्होंने बताया कि नागरिक इस हेल्पलाइन के जरिए किसी भी समय नशीली दवाओं के अवैध व्यापार या तस्करी से जुड़ी जानकारी साझा कर सकते हैं। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, ताकि लोग बिना डर के सहयोग कर सकें।

डीसी उत्तम ने कहा कि यह पहल नशे की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने में मददगार होगी और युवाओं को इस बुराई से बचाने में अहम भूमिका निभाएगी। केंद्र सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को पूरी तरह नशा मुक्त बनाना है, जिसके लिए जन-सहयोग जरूरी है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि नशीली दवाओं से जुड़ी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत हेल्पलाइन 1933 पर दें और नशा मुक्त भारत के निर्माण में योगदान दें।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली

वाटसेप नम्बर: 9871221635

13 अगस्त को तिरंगा ट्रैक्टर रैलियां, कॉरपोरेट भारत छोड़ो की गूंज के साथ राष्ट्रपति को सौंपेंगे ज्ञापन: रतनमान

किसानों से रैलियों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। राष्ट्रीय संयुक्त किसान मोर्चा की अपील पर 13 अगस्त को देशभर में प्रस्तावित तिरंगा झंडा ट्रैक्टर रैलियां भाजपा सरकार के खिलाफ किसानों की मजबूत आवाज बुलंद करेंगी। इस दिन लाखों ट्रैक्टर देश की सड़कों पर उतरेंगे और जिला मुख्यालयों पर कॉरपोरेट भारत छोड़ो का नारा गूंजेगा।

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के प्रचार अभियान के तहत रविवार को प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने सरफाबाद, खेड़ा और सोहाना गांव में किसान पंचायतों को संबोधित करते हुए कहा कि रैलियों के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले जलाकर रोष जताया जाएगा। साथ ही जिला अधिकारियों को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन में धान की फसल में आई 'फीजी' बीमारी से हुए नुकसान का प्रति एकड़ 50 हजार रुपये मुआवजा, एमएसपी पर खरीद की गारंटी का कानून, घरों में स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक, कृषि भूमि के जबरन अधिग्रहण व लैंड पूलिंग पर रोक और 10 साल पुराने ट्रैक्टरों पर एनसीआर में लगे प्रतिबंध को हटाने जैसी मांगें शामिल होंगी।

प्रचार अभियान में किसान नेता महताब कादियान, शाम सिंह मान, सुरेंद्र सागवान, साहब सिंह बाजवा समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। रतनमान ने किसानों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने ट्रैक्टरों के साथ 13 अगस्त को रैलियों में शामिल होकर सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाएं। कार्यक्रम में सरफाबाद, खेड़ा और सोहाना गांव से बड़ी संख्या में किसान व मजदूर मौजूद रहे।

राजौंद में बेसहारा गौवंश से बढ़ रही परेशानियां

बहुत जल्द समस्या का समाधान करवाया जाएगा: नपा सचिव नरेंद्र शर्मा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद नगर में बेसहारा गौवंश की संख्या लगातार बढ़ने से नागरिकों व दुकानदारों की परेशानियां बढ़ गई हैं। यह गौवंश सड़कों व बाजारों में खुलेआम घुमते हुए दुकानों के बाहर रखे सामान को नुकसान पहुंचा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों, राहगीरों पवन, राहुल, अमीत कुमार, निर्मल सिंह, भीम सिंह, अशोक ने बताया कि बेसहारा गौवंश से काफी परेशानी आ रही है।

बताया गया कि रात के समय ये गौवंश अक्सर सड़क के बीचों-बीच बैठ जाते हैं, जिससे वाहन चालकों को इन्हें देखना मुश्किल हो जाता है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। नगरवासियों ने नपा सचिव से प्रार्थना करते हुए कहा कि यह समस्या दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है इसका तत्काल समाधान की आवश्यकता है। इस संबंध में नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आ चुका है और जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर के नागरिकों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। नगरवासी अब प्रशासन से उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जल्द ही राजौंद नगर को बेसहारा गौवंश की समस्या से राहत मिलेगी।

चाय पर चर्चा में विधायक जगमोहन आनंद ने सुनी जन समस्याएं, अधिकारियों को दिए तुरंत निर्देश

बिजली, सीवरेज, पेंशन और पीपीपी आईडी से जुड़ी शिकायतों का मौके पर निपटान शुरू

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद का 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम रविवार को नेहरू प्लेस में आयोजित हुआ, जहां उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनीं और तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता के कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

कार्यक्रम की शुरूआत भजन के साथ हुई, जिसके बाद लोगों ने अपनी-अपनी शिकायतें रखीं। सेक्टर-13 एक्सटेंशन के निवासियों ने बिजली कटौती की समस्या बताई, जिस पर विधायक ने बिजली विभाग के एसडीओ को फोन कर निर्देश दिए कि लाइन बदलने का कार्य सही ढंग से किया जाए और रेजिडेंशियल लाइन को कमर्शियल लाइन से अलग रखा जाए।

बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा-विधायक जगमोहन आनंद

पेंशन और सीवरेज की समस्याएं भी बैठक में प्रमुख रहीं। कॉलोनीवासियों की शिकायत पर विधायक ने लिखित आवेदन लेकर समाधान का आश्वासन दिया। पीपीपी आईडी से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए भी अधिकारियों को निर्देश जारी किए। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि करनाल विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य तेज गति से हो रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हर दिन नई परियोजनाओं की सौगात मिल रही है और ये कार्य जमीनी स्तर पर भी स्पष्ट नजर आ रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।